

भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3053

जिसका उत्तर 19 मार्च, 2025 को दिया जाना है

28 फाल्गुन, 1946 (शक)

एनआईईएलआईटी की स्थापना

3053. श्री जी. लक्ष्मीनारायणः

श्री तंगेला उदय श्रीनिवासः

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश भर में प्रस्तावित, निर्माणाधीन और वर्तमान में संचालित राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों (एनआईईएलआईटी) की राज्यवार, विशेषकर आंध्र प्रदेश में कुल संख्या कितनी है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान एनआईईएलआईटी से विशेष रूप से सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उभरती प्रौद्योगिकियों में पाठ्यक्रम, डिप्लोमा और प्रमाणन प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या संस्थानवान कितनी है;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान एनआईईएलआईटी-वार प्रस्तावित, चल रही और पूर्ण की गई कुल अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या कितनी है;

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान एनआईईएलआईटी-वार कुल कितनी धनराशि आवंटित, जारी और उपयोग की गई और

(ङ.) क्या सरकार का विचार देश भर में एनआईईएलआईटी की संख्या बढ़ाने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क): इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवार्ड) के अधीन एक स्वायत्त वैज्ञानिक सोसायटी, राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) की स्थापना सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास और संबंधित गतिविधियों को करने के लिए की गई थी। वर्तमान में, पूरे देश में 55 नाइलिट केन्द्र कार्य कर रहे हैं जिनमें आंध्र प्रदेश राज्य के तिरुपति में स्थित एक केन्द्र शामिल है। इसके अतिरिक्त, नाइलिट के आंध्र प्रदेश राज्य में 38 सुविधा केन्द्र और 1 प्रत्यायित संस्थान भी हैं। नाइलिट केन्द्रों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार सूची अनुबंध-। में दी गई है।

(ख): नाइलिट ने पिछले पांच वर्षों में नाइलिट केन्द्रों के माध्यम से विभिन्न डिग्री/डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमों और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों (दीर्घावधि एवं अल्पावधि) के अंतर्गत कुल 6,45,344 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया है। केन्द्र-वार व्यौरा अनुबंध-॥ में दिया गया है।

(ग): नाइलिट ने पिछले पांच वर्षों में 07 अनुसंधान परियोजनाएं आरंभ की हैं, जिनमें से 02 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 05 चल रही हैं। इन परियोजनाओं का केन्द्र-वार व्यौरा अनुबंध-III में दिया गया है।

(घ): एमईआईटीवाई नाइलिट को कोर अनुदान प्रदान नहीं करता है। तथापि, मंत्रालय विभिन्न चालू परियोजनाओं के अंतर्गत नाइलिट का वित्तपोषण कर रहा है। आवंटित, जारी और उपयोग की गयी निधियों का व्यौरा अनुबंध-IV में दिया गया है।

(ङ): इलेक्ट्रॉनिकी और संचार प्रौद्योगिकी (ईआईसीटी) क्षेत्र में कौशल विकास में वृद्धि करने तथा विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए देश भर में नाइलिट केन्द्रों की संख्या बढ़ाने के लिए एमईआईटीवाई नाइलिट की सहायता करता है। पिछले पांच वर्षों में स्थापित/स्थापित नए नाइलिट केन्द्रों का व्यौरा निम्नानुसार है:-

| वर्ष | नाइलिट केन्द्र (स्थान) |
|---------|--------------------------------------------------------|
| 2019-20 | कारगिल |
| 2020-21 | दीमापुर, दमन |
| 2022-23 | बक्सर, मुजफ्फरपुर, पूर्वी दिल्ली, दक्षिण पश्चिम दिल्ली |
| 2023-24 | नोएडा, बीकानेर, हैदराबाद |
| 2024-25 | तिरुपति, बालासोर, पीलीभीत |

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार प्रचालनरत नाइलिट केन्द्र

| क्र.सं. | राज्य | नाइलिट केंद्रों की संख्या |
|------------------------|----------------------------------|---------------------------|
| 1 | आंध्र प्रदेश | 1 |
| 2 | अरुणाचल प्रदेश | 3 |
| 3 | असम | 7 |
| 4 | बिहार | 3 |
| 5 | चंडीगढ़ | 1 |
| 6 | दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव | 1 |
| 7 | दिल्ली | 3 |
| 8 | हरियाणा | 1 |
| 9 | हिमाचल प्रदेश | 2 |
| 10 | जम्मू और कश्मीर | 2 |
| 11 | झारखण्ड | 1 |
| 12 | केरल | 1 |
| 13 | महाराष्ट्र | 1 |
| 14 | मणिपुर | 3 |
| 15 | मेघालय | 2 |
| 16 | मिजोरम | 2 |
| 17 | नागालैंड | 3 |
| 18 | ओडिशा | 2 |
| 19 | पंजाब | 1 |
| 20 | राजस्थान | 3 |
| 21 | सिक्किम | 1 |
| 22 | तमिलनाडु | 1 |
| 23 | तेलंगाना | 1 |
| 24 | त्रिपुरा | 1 |
| 25 | केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख | 2 |
| 26 | उत्तर प्रदेश | 4 |
| 27 | उत्तराखण्ड | 1 |
| 28 | पश्चिम बंगाल | 1 |
| केंद्रों की कुल संख्या | | 55 |

वित्तीय वर्ष में नाइलिट केन्द्रों के माध्यम से डिग्री/डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमों और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों (दीर्घावधि और अल्पावधि) में प्रशिक्षित अभ्यर्थियों का ब्यौरा

| क्रम संख्या | नाइलिट केन्द्र | 2019-2020 | 2020-2021 | 2021-2022 | 2022-2023 | 2023-2024 |
|-------------|--------------------------------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|
| 1 | अगरतला | 3219 | 1965 | 1551 | 11257 | 11935 |
| 2 | आइजोल | 811 | 1928 | 431 | 17331 | 7576 |
| 3 | अजमेर | 125 | 680 | 707 | 1453 | 1986 |
| 4 | औरंगाबाद | 3003 | 3147 | 909 | 16628 | 10075 |
| 5 | भुवनेश्वर | 50 | 194 | 283 | 4501 | 2717 |
| 6 | कालीकट | 1310 | 4293 | 6017 | 8980 | 31193 |
| 7 | रोपड़ | 17946 | 44304 | 46422 | 34693 | 32117 |
| 8 | चेन्नई | 853 | 2586 | 1773 | 1831 | 3577 |
| 9 | कोहिमा और विस्तार केंद्र (ईसी) | 1385 | 203 | 501 | 2766 | 2172 |
| 10 | दमन | | | | 160 | 897 |
| 11 | दिल्ली | 1409 | 1680 | 1998 | 3016 | 3947 |
| 12 | गंगटोक | 130 | 407 | 600 | 4248 | 6819 |
| 13 | गोरखपुर और ईसी | 2115 | 3377 | 3701 | 8083 | 19203 |
| 14 | गुवाहाटी | 2171 | 4756 | 10161 | 28391 | 29306 |
| 15 | हरिद्वार | 326 | 1996 | 3450 | 3833 | 5737 |
| 16 | इम्फाल और ईसी | 3853 | 2848 | 4128 | 14249 | 14332 |
| 17 | ईटानगर और ईसी | 495 | 379 | 560 | 803 | 1263 |
| 18 | कोलकाता | 3330 | 445 | 2175 | 1546 | 1827 |
| 19 | कुरुक्षेत्र | 312 | 561 | 153 | 1648 | 2733 |
| 20 | लेह | | 1110 | 401 | 3462 | 4764 |
| 21 | पटना | 9942 | 3472 | 5148 | 6529 | 6021 |
| 22 | रांची | 190 | 559 | 1093 | 2272 | 3124 |
| 23 | शिलांग और ईसी | 321 | 111 | 239 | 10207 | 4462 |
| 24 | शिमला | 933 | 948 | 1053 | 1219 | 1062 |
| 25 | श्रीनगर और जम्मू | 2744 | 1811 | 5596 | 2592 | 5018 |
| | कुल | 56973 | 83760 | 99050 | 191698 | 213863 |

नाइलिट केन्द्र-वार चल रही तथा पूर्ण हो चुकी अनुसंधान परियोजनाओं का व्यौरा

| क्रम सं. | परियोजना का शीर्षक | कार्यान्वयन केंद्र | अवधि | टिप्पणियां |
|----------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------|----------------------------|------------|
| 1. | "एनेस्थीसिया (डीओए) निगरानी प्रणाली की ईईजी आधारित वास्तविक समय गहराई का डिजाइन और विकास" | नाइलिट इम्फाल | मार्च 2022 से मार्च 2025 | सतत |
| 2. | आईओटी सक्षम हेल्थकेयर अनुप्रयोगों के लिए अल्ट्रा लो पावर शक्ति रिस्क वी आधारित लाइटवेट एज एआई प्रोसेसर | नाइलिट औरंगाबाद | जनवरी 2024 से जनवरी 2029 | सतत |
| 3. | चिकित्सा इमेजिंग के लिए अल्ट्रासोनिक ट्रांसड्यूसर जांच के विकास और डिजाइन | नाइलिट कालीकट | अगस्त 2021 से फरवरी 2025 | सतत |
| 4. | स्वदेशी स्कार्फार्ड: आईओटी- सक्षम ड्रोन निगरानी के साथ दूरस्थ समुदायों को सशक्त बनाना | नाइलिट कालीकट | जुलाई 2022 से जुलाई 2027 | सतत |
| 5. | कुशल जनशक्ति अग्रिम अनुसंधान और प्रशिक्षण लैब (स्मार्ट लैब) | नाइलिट कालीकट | दिसंबर 2021 से दिसंबर 2026 | सतत |
| 6. | पीएनडीटी अनुपालन के साथ स्वदेशी कलर डॉपलर अल्ट्रासाउंड स्कैनर। | नाइलिट कालीकट | सितंबर 2015 से नवंबर 2019 | पूर्ण किया |
| 7. | एएसआईसी और पानी के नीचे ध्वनिक / मेडिकल अल्ट्रासाउंड इमेजिंग सिस्टम बोर्ड का डिजाइन और विकास | नाइलिट कालीकट | 2015 से 2021 | पूर्ण किया |

पिछले पांच वर्षों के दौरान नाइलिट द्वारा आबंटित, जारी और उपयोग की गई कुल निधियां:

| अनुदान का वर्ष | आवंटित और जारी अनुदान की राशि | उपयोग की गई अनुदान राशि |
|----------------|-------------------------------|-------------------------|
| 2019-20 | 1,45,06,48,222/- | 1,32,09,19,799/- |
| 2020-21 | 49,16,71,443/- | 46,58,61,982/- |
| 2021-22 | 1,39,28,10,176/- | 1,03,31,90,035/- |
| 2022-23 | 6,44,25,100/- | 3,30,96,198/- |
| 2023-24 | 1,45,38,07,249/- | 1,24,62,84,497/- |
